भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 297

गुरूवार, 08 दिसम्बर, 2022/17 अग्रहायण, 1944 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

पर्यावरण अनुकूल पर्यटन

297. डा. अशोक कुमार मित्तलः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने पंजाब सहित विभिन्न राज्यों में संधारणीय और पर्यावरण अनुकूल ईकोटूरिज़म परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए कोई उपाय किए हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या पंजाब के विशेष रूप से जलंधर और कपूरथला जिलों के लिए कोई विशेष परियोजना है; और

(घ) उक्त नीति के अंतर्गत शामिल गतिविधियों का ब्यौरा क्या है और इसके परिणामस्वरूप क्या-क्या पर्यावरणीय लाभ प्राप्त होने की संभावना हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (घ) : देश में ईको पर्यटन की वृद्धि के लिए अनुकूल ईको सिस्टम का विकास करने और देश में ईको सिस्टम के विकास हेतु केंद्रीय तथा राज्य सरकारों, स्थानीय समुदायों, संरक्षण एनजीओ तथा निजी क्षेत्र के बीच समन्वयन के लिए पर्यटन मंत्रालय (एमओटी) ने ईको पर्यटन हेतु एक राष्ट्रीय कार्यनीति तैयार की है । देश में स्थायी पर्यटन तथा ईको पर्यटन के विकास हेतु विभिन्न कार्यनीतिक पहलों के प्रचालन और कार्यान्वयन के मार्गदर्शन के लिए पर्यटन सचिव की अध्यक्षता में स्थायी पर्यटन संबंधी राष्ट्रीय बोर्ड का गठन भी किया गया है जिसमें चिह्नित केंद्रीय मंत्रालयों/संगठनों, राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों और औद्योगिक हितधारकों के प्रतिनिधि शामिल हैं ।

पर्यटन मंत्रालय ने ईको थीम सहित विभिन्न थीमों के अंतर्गत देश में पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए स्वदेश दर्शन योजना '(एसडीएस)' के तहत 76 परियोजनाओं को स्वीकृति दी है । पर्यटन मंत्रालय द्वारा एसडीएस की ईको-थीम के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची संलग्न है । मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन योजना की विरासत थीम के तहत 94.51 करोड़ रु. की राशि से 'आनंदपुर साहिब - फतेहगढ़ साहिब - चमकौर साहिब - फिरोजपुर - अमृतसर - खटकर कालान - कलानौर - पटियाला के विकास की एक परियोजना को भी स्वीकृति दी है ।

मंत्रालय ने अब पर्यटक एवं गंतव्य केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए स्थायी एवं युक्तसंगत पर्यटन गंतव्यों के विकास के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) के रूप में स्वदेश दर्शन योजना को नया रूप दिया है । एसडी 2.0 के तहत विकास हेतु पंजाब में कपूरथला को भी एक गंतव्य के रूप में चुना गया है ।

*****

अनुबंध

पर्यावरण अनुकूल पर्यटन के संबंध में दिनांक 08.12.2022 के राज्य सभा के लिखित प्रश्न सं. 297 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में **विवरण**

स्वदेश दर्शन योजना की ईको थीम के तहत पर्यटन मंत्रालय द्वारा स्वीकृत परियोजनाओं की सूची

(**करोड़ रु. में**)

क्र. सं.	**राज्य का नाम**	**वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि**	**निर्मुक्त राशि**
1.	उत्तराखण्ड	(2015-16)	टिहरी-चंबा-सरैन में टिहरी झील के आसपास परिपथ का विकास	69.17	65.71
2.	तेलंगाना	(2015-16)	महबूबनगर जिले में (सोमाशिला, सिंगोतम, कदलीवनम, अक्कामहादेवी, ईगलानपंटा, फरहाबाद, उमा महेश्वरम, मल्लेतीर्थम) परिपथ का विकास	91.62	87.03
3.	केरल	(2015-16)	पथनमथिट्टा - गावी - वागमोन-थेक्कडी का विकास	64.08	61.24
4.	मिजोरम	(2016-17)	आइज़ोल- रावपुइछिप- कॉवफवप- लेंगपुई - डर्टलैंग- चेतलांग- सकोरमुइतुइतलांग-मूथी - बेरतलांग-तुरियल एयरफिल्ड-मूईफांग में ईको एडवेंचर परिपथ का विकास	66.37	49.53
5.	मध्य प्रदेश	(2017-18)	गांधीसागर बांध - मंडलेश्वर बांध- ओंकारेश्वर बांध - इंदिरा सागर बांध - तवा बांध - बरगी बांध - भेड़ाघाट - बाणसागर बांध - केन नदी का विकास	93.92	88.58
6.	झारखण्ड	(2018-19)	डालमा - चांडिल - गेतलसुद-बेतला राष्ट्रीय उद्यान - मिर्चैया-नेतरहाट का विकास	30.11	26.37

*****